भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 3x15=45

प्रश्न (1.1) Hot hand phenomenon (गर्म हाथ परिघटना) — पू./M = 03, प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न (1.2) Nolan committee (नोलन कमेटी) — पू./M = 03, प्राप्तांक

उत्तर : नोलन कमेटी का संबंध प्रशासनिक आचरण संहिता से है। इसने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, तटस्थता को जरूरी बताया।

प्रश्न (1.3) Psychological work of mentality (मनोवृत्ति का ज्ञानात्मक कार्य) — पू./M = 03, प्राप्तांक

उत्तर : इसके अंतर्गत किसी निर्णय को प्रभावित किया जाता है यह बतलाता है यदि हम कोई हल करते हैं तो उसके लाभ हानि क्या हो सकते हैं उदाहरण चोरी करने के परिणाम बतलाना

प्रश्न (1.4) four nobel truth (चार आर्य सत्य) — पू./M = 03, प्राप्तांक

उत्तर : (1) बौद्ध धर्म का दर्शन

दुःख — दुःख समुदाय — दुःख निरोध — दुःख निरोधगामी प्रतिपदा।

इसमें दुःख, दुःख के कारण, समाधान के बारे में वर्णन।

प्रश्न (1.5) Cleanliness means (शुचिता से आशय) — पू./M = 03, प्राप्तांक

उत्तर : ऐसा आचरण जो हर तरीके से दोषमुक्त हो एवं आदर्श प्रतिमानों के अनुरूप कार्य करना।

कौटिल्य एकेडमी

MAINS TEST PAPER - 4 / PAGE - 1

नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

306666

Paper Code
GS Paper-IV

Date : 06.03.2021

06-03-2021

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखें – (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें –

नाम मानेन्द्र सिंह राठौड़

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Paper Code
GS Paper-IV

306666

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें

वीक्षक द्वारा भरा जावे।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

(केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील परीक्षा भवन में)

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

3x15=45

प्रश्न (1.1) Hot hand phenomenon (गर्म हाथ परिघटना)

उत्तर :

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.2) Nolan committee (नोलन कमेटी)

उत्तर : नोलन कमेटी का संबंध प्रशासनिक आचरण संहिता से है। इसने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, तटस्थता को जरूरी बताया।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.3) Psychological work of mentality (मनोवृत्ति का ज्ञानात्मक कार्य)

उत्तर : इसके अंतर्गत किसी निर्णयन को प्रभावित किया जाता हो यह बतलाता है यदि हम कोई हल करते हैं तो उसके लाभ हानि क्या हो सकते हैं। उदाहरण चोरी करने के परिणाम जानना।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.4) four nobel truth (चार आर्य सत्य)

उत्तर : (1) बौद्ध धर्म का दर्शन

दुःख — दुःख समुदाय — दुःख निरोध — दुःख निरोधगामी प्रतिपदा।

इसमें दुःख, दुःख के कारण, समाधान के बारे में बताना।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न (1.5) Cleanliness means (शुचिता से आशय)

उत्तर : ऐसा आचरण जो हर तरीके से दोषमुक्त हो एवं आदर्श प्रतिमानों के अनुरूप कार्य करना।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 15 अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 3x15=45

प्रश्न (1.6) Compassion fatigue (करूणा की थकान) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : वह स्थिति जब लगातार करुणा की स्थिति बनी रहे तो एक ऐसी दशा जब करुणा की तीव्रता कम होने लगे।

प्रश्न (1.7) Ethical dilemma (नैतिक दुविधा) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : (a) वह स्थिति जब दो नैतिक सिद्धान्तों में टकराव हो और निर्णय लेना कठिन हो जाए
(b) प्रकार- जोखिम संबंधी, विकल्प संबंधी से उत्पन्न
(c) उपाय- नैतिक तर्क, गुरु परिपाटी का पालन, नियम का सहारा

प्रश्न (1.8) Political Dairy (पॉलिटिकल डायरी) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : किसी व्यक्ति विशेष की राजनीतिक घटनाओं से संबंधित गतिविधियों का सम्पूर्ण संग्रहण।

प्रश्न (1.9) Sympathy (सहानुभूति) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : यह ऐसी भावना है जो किसी व्यक्ति को कष्ट में देख कर करुणा उत्पन्न होती है किन्तु बाह्य अभिव्यक्ति नहीं होती। ~~अव्यक्ति~~ इसे सहानुभूति कहते हैं

प्रश्न (1.10) The life devine (द लाइफ डिवाइन) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : (i) पुस्तक लाइफ डिवाइन लेखक- अरविन्द घोष
(ii) विषय- दार्शनिक, आध्यात्मिक
(iii) आध्यात्मिक सर्वत्रवाद का समावेश किया।

कौटिल्य एकेडमी

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 3x15=45

प्रश्न (1.11) Importance of tolerance in public servants (लोकसेवक में सहिष्णुता का महत्त्व)

उत्तर : (i) निष्पक्ष प्रशासन हेतु।
(ii) सभी वर्गों के कल्याण हेतु।
(iii) पूर्वाग्रह से मुक्ति हेतु।
(iv) सुशासन हेतु।

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.12) Honesty (ईमानदारी)

उत्तर : (i) वह गुण जो किसी व्यक्ति को उसके कार्यों को लेकर समर्पित बनाता है। वह पूर्ण समर्पण से सौंपे दायित्व को पूर्ण करता है। यह सुशासन का प्रमुख मूल्य है।

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.13) Objectivity (वस्तुनिष्ठता)

उत्तर : (i) निर्णय लेते समय व्यक्तिगत चेतना के आधार (पूर्वाग्रह, रुचि, हितों) से स्वतंत्र रह कर तथ्यों के आधार पर ही निर्णय लेना।
(ii) दक्ष, मनोनुकूल प्रशासन हेतु तटस्थता जरूरी।

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.14) Inability (असमर्थता)

उत्तर : (i) किसी राजनीतिक दल या विचारधारा का समर्थन न करना।
(ii) उद्देश्य– प्रशासन राजनीति गठजोड़ रोकना।
(iii) लाभ– तटस्थ, स्वतंत्र प्रशासन

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.15) International Transparency Commission (अंतर्राष्ट्रीय पारदर्शिता आयोग)

उत्तर : स्थापना– 1993 बर्लिन
कार्य – देशों में भ्रष्टाचार की स्थिति का मापन एवं उपाय
उद्दे.– जनता में [illegible]।

पू./M = 03 प्राप्तांक

भाग – अ (Part -A)

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंको का है। 6x10

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.2) Mention the reasons for corruption?

भ्रष्टाचार के कारणों का उल्लेख करें ?

उत्तर : भ्रष्टाचार के कारण

व्यक्ति सत्ता, पद का दुरुपयोग निजी लाभ हेतु करना भ्रष्टाचार है।

इसके कारण निम्न है

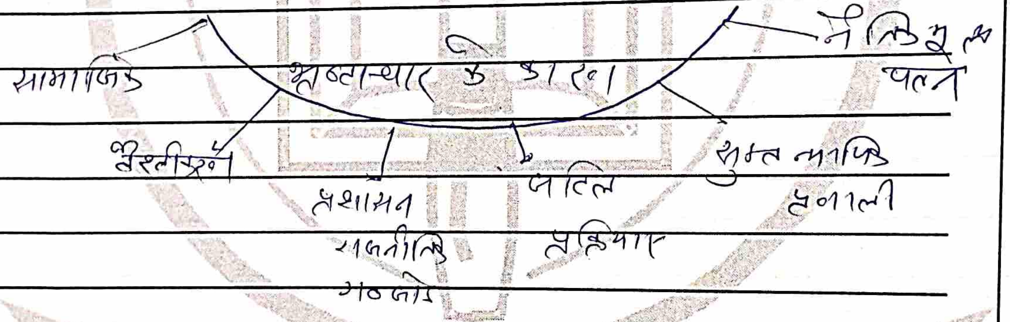

नैतिक मूल्य का पतन

भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण है व्यक्तियों में नैतिकता का पतन होना। नैतिकता के अभाव में ही व्यक्ति भ्रष्टाचार जैसे अनैतिक व्यापारों को अपनाता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.2) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

सामाजिक कारण

(i) समाज मे व्याप्त ऐसी प्रथाए जो धन संग्रह को महत्व देती है जैसे दहेज।

(ii) धन की प्रतिष्ठा का पर्याय बनाना

(iii) धन प्राप्ति हेतु अंधी प्रतिस्पर्धा।

वैश्वीकरण

वैश्वीकरण के परिणाम स्वरूप उत्पन्न उपभोक्तावाद भी भ्रष्टाचार की जड़ है

प्रशासन- राजनीति गठजोड़

पारस्परिक गठजोड़ एक दूसरे के गलत कार्यों पर पर्दा डाल कर प्रश्रय देते।

जटिल एवं दुरुह न्यायिक प्रक्रिया

इस कारण से भ्रष्टाचारी दोषी दण्ड से बच जाते है तथा देरी से सुनवाई होती है। ऐसा मे उनका हौसला बढ़ जाता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.3) Factors of Attitude Change?

मनोवृत्ति परिवर्तन के कारक ?

उत्तर : किसी व्यक्ति या वस्तु के प्रति हमारे सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण। पर्सन के अनुसार -

किसी मनोवैज्ञानिक विषय के पक्ष में या विपक्ष के प्रति सकारात्मक नकारात्मक विचारों की तीव्रता मनोवृत्ति है

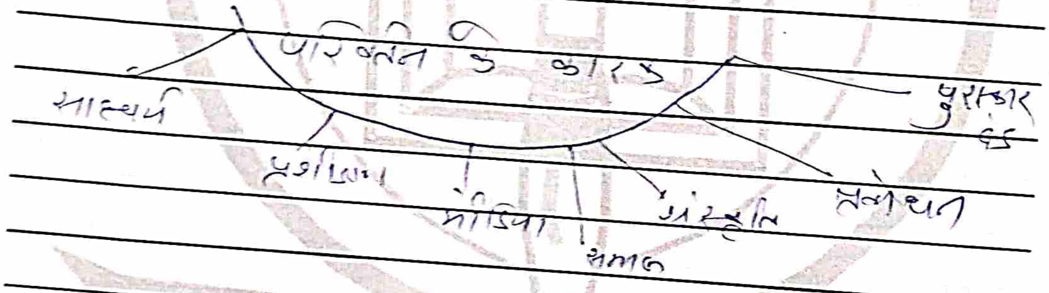

साहचर्य

व्यक्ति जैसी संगति प्राप्त करता है वैसी ही मनोवृत्ति निर्मित करता है। जैसे अपराधिक संगति वाला बालक आगे अपराधिक मनोवृत्ति ही बना लेता है

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।
Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2 3) Continued (जारी) पू./M = 06 प्राप्तांक

प्रशिक्षण / अभ्यास

बार-बार प्रशिक्षण से भी मनोवृत्ति परिवर्तित हो जाती है। उदाहरण सेना में नवयुवकों की मनोवृत्ति में प्रशिक्षण द्वारा परिवर्तित होता है।

प्रबोधन

प्रबोधन द्वारा भी व्यक्ति की मनोवृत्ति में वांछित परिवर्तित होता है।

मीडिया

मीडिया से प्राप्त अनुभव व्यक्ति की मनोवृत्ति में परिवर्तित प्रेरित करते है।

समाज एवं संस्कृति

जैसा समाज होता है उसी की परम्परा अनुरूप ही मनोवृत्ति का विकास होता है। उदाहरण यदि समाज में कोई रूढ़ि प्रचलित तो उसके प्रति सकारात्मक मनोवृत्ति बन जाती है।

पुरस्कार-दंड

पुरस्कार मनोवृत्ति में सकारात्मक जबकि दंड नकारात्मक परिवर्तित करती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.4) Swami Vivekananda was a nationalist thinker. Explain

स्वामी विवेकानंद एक राष्ट्रवादी विचारक थे, स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर : स्वामी विवेकानंद भारत के महान व्यक्तित्व थे उन्हे भारत की सभ्यता को वैश्विक पहचान दिलाने का श्रेय प्राप्त है। उनके अद्भुत कार्यो के क्षेत्र मे राष्ट्रवाद का मंत्र दिखाई दिया है जिसका वर्णन निम्न है

(i) भारतियो को प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं उनकी गौरवपूर्ण उपलब्धियो से परिचित कराकर उनमें आत्मबल की वृद्धि करते हुए हीनता की भावना दूर करना।

(ii) भारतीय संस्कृति को श्रेष्ठ करने हेतु प्रोत्साहित किया साथ ही विदेश में उसका डंका पीट दिया।

(iii) जाति, अस्पृश्यता को भुला कर एकता का मार्ग दिखाया ताकि राष्ट्रवाद मजबूत हो।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.4) Continued (जारी) पू./M = 06 प्राप्तांक

(i) जननी और जन्मभूमि को स्वर्ग से बढ़कर बताया। उनको मातृभूमि के प्रति प्रेम अगाध रूप से था।

(ii) राष्ट्र के लोगों की सेवा व उत्थान हेतु रामकृष्ण मिशन की स्थापना करायी।

(iii) राष्ट्रवाद हेतु 2 लक्ष्य निर्धारित किया पहला सबको समान अवसर दूसरा स्वतंत्रता।

(iv) परतंत्रता को मानव विकास का सबसे बड़ा शत्रु घोषित किया।

मूल्यांकन- विवेकानंद न केवल संत दार्शनिक थे बल्कि उनमें राष्ट्र के प्रति प्रेम कूट-कूट कर सन्निहित था। उनके कार्यों में राष्ट्र के प्रति भक्ति का सहज ही दर्शन होता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.5) Basic qualification for public servant ?

लोकसेवक के लिए आधारभूत योग्यता ?

उत्तर : लोक सेवक वह होता है जिसे विवेकाधीन शक्तियाँ प्रदान होती है और वह अपनी उन शक्तियों का उपयोग जनकल्याण में करता है

एक आदर्शी प्रशासन, सुशासन हेतु लोक सेवको मे आधारभूत योग्यताए निम्न है

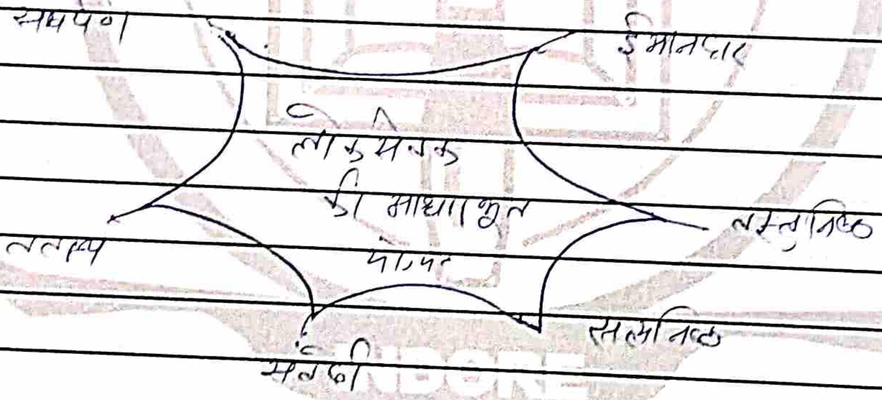

ईमानदारी

लोक सेवक को ईमानदार होना चाहिए उसके कार्यों एवं निर्णयों मे पारदर्शिता होनी चाहिए। ताकि जनता का विश्वास प्रशासन पर बना रहे।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

6x10=60

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.5) Continued (जारी)

(ii) वस्तुनिष्ठ

निर्णय करते समय व्यक्तिगत चेतना के आधारों से मुक्त रहें। अर्थात किसी मानसिक बोझ न हो।

(iii) सत्यनिष्ठा

प्रशासक के विचारों एवं आचरण में अंतर न हो। वे जो बोलें वही करें।

(iv) संवेदनशीलता

उनमें संवेदना का होना जरूरी ताकि आसानी से लोगों की भावना समझें व निर्णय लें तथा उनका निवारण के उपाय करें।

(v) तटस्थता

उन्हें जाति, धर्म, राजनीति से तटस्थ रहना होगा। अन्यथा पक्षपात व संशय की दुविधा उत्पन्न होगी।

(vi) समर्पण

अपने कार्य एवं संस्था के लक्ष्यों के प्रति उच्च तीव्रता वाली प्रतिबद्धता। समर्पण ही उन्हें सच्चा लोकसेवक बनाता है क्योंकि लोकसेवा लाभ का पद नहीं है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x16=

प्रश्न (2.6) Role of family and society in controlling corruption?

भ्रष्टाचार नियंत्रण में परिवार व समाज की भूमिका ?

पू./M = 6

प्राप्तांक

उत्तर : भ्रष्टाचार से तात्पर्य है, अपनी शक्ति सत्ता एवं पद का दुरुपयोग निजी हित में करना।

यह एक नैतिक बुराई है जो सार्वभौमिक रूप से प्रत्येक तंत्र में विद्यमान है।

इसके नियंत्रण में परिवार की भूमिका निम्नलिखित है —

क्योंकि व्यक्ति परिवार में जन्म लेता है तथा उसके चरित्र रूपी वृक्ष का निर्माण परिवार की छत्र छाया में ही होता है अतः परिवार का यह दायित्व है कि उसे सही तरीके से सींचे अर्थात नैतिक संस्कार दें।

→ बच्चों को कम खर्च की आदत डलवाएं।
→ उन्हें ईमानदारी पर प्रोत्साहित करें
→ स्वयं नैतिकता का पालन करें ताकि बच्चे भी अनुकरण करें।
→ भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति का प्रयोग

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।
Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.6) Continued (जारी)

करने से मना कर दे।

समाज की भूमिका

समाज द्वारा भ्रष्टाचार का शमन संभव है क्योंकि जहाँ भ्रष्टाचार सामाजिक बुराई है तथा उसका पतन सामाजिक मूल्यों के पतन से हुआ है वहीं व्यक्ति समाज का अंग है।

उपाय

(i) ऐसी सामाजिक प्रथाओं का त्याग हो धन के संचय व दुरुपयोग को बढ़ावा देती है।

(ii) धन को प्रतिष्ठा का विषय न बनने दे न ही इस लालसा की प्रतिस्पर्धा हो।

(iii) भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति की नैतिक निंदा हो तथा संभव हो तो सामाजिक बहिष्कार किया जाए।

(iv) आस-पास चल रहे सार्वजनिक कार्यों की भी सामाजिक लेखा परीक्षा स्थानीय लोगों द्वारा हो।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x16=

प्रश्न (2.7) Absolute neutrality' in public service is a hypothesis, Explain.
लोक सेवा में 'पूर्ण तटस्थता' एक परिकल्पना है, स्पष्ट करें।

पू./M = 6
प्राप्तांक

उत्तर : तटस्थता से तात्पर्य है किसी भी तरह के वर्ग समूह, विचारधारा से स्वयं को पृथक रखना।

तटस्थता →
- धर्म
- जाति से
- राजनीति

~~विभिन्न परिस्थिति~~ में

प्रशासन में तटस्थता एक अनिवार्य तत्व माना गया है। अगर कोई लोकसेवक किसी धर्म, जाति, समूह, राजनीतिक विचारधारा का होकर समर्पित करेगा तो निश्चित ही यह सम्भव है कि अन्य पक्षों के साथ पक्षपात करेगा।

हालांकि तटस्थता बाह्य रूप में ही ज्यादा परिलक्षित होती है क्योंकि पद पर आसीन वह व्यक्ति भी मानव होता है और वह भी मानवीय सीमाओं से युक्त होता है। वह व्यक्ति भी ~~कर्म~~ जन्म से

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.7) Continued (जारी)

उसी समाज के मात्सर्य मे बड़ा होता है जिसमे आम व्यक्ति जीते है।

ऐसे में मानसिक रूप से कोई लोकसेवक पूर्णतः तटस्थ हो ऐसा संभव नहीं है बाह्य अभिव्यक्ति कैसी होती यह जरूर अलग बात है।

किन्तु मानसिक तटस्थता से थोड़ा कठिन है हमारी अभिव्यक्ति जो असंभव नहीं है। अपने संवेगो पर युक्तियुक्त नियंत्रण रखते हुए कोई भी लोकसेवक बाह्य रूप से तटस्थ बना रह सकता है।

इसके अलावा निरंतर अभ्यास भी लोकसेवक को आंतरिक व बाह्य रूप से तटस्थ बना देता है।

निष्कर्षतः पूर्णतः तटस्थता चुनौतीपूर्ण अवश्य है किन्तु असंभव नहीं। यह निरंतर अभ्यास व आचरण संहिता को ध्यान मे रखते हुए पालन किया जा सकता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.8) What is Aptitude ? explain the benefits of Aptitude.
अभिक्षमता किसे कहते है? विशेषताओं के लाभ स्पष्ट करें।

पू./M - 06

प्राप्तांक

उत्तर :-

अभिक्षमता

अभिक्षमता किसी व्यक्ति में निहित विशिष्ट योग्यताओं का वह संयोजन है जो यह प्रदर्शित करता कि यदि उस विषय क्षेत्र का पर्याप्त प्रशिक्षण एवं अनुकूल माहौल मिले तो क्षेत्र विशेष में उसके सफल होने की संभावना ज्यादा होगी।

अभिक्षमता व्यक्ति को किसी विशिष्ट कार्य में पारंगत बना देती है।

विशेषता
- आंतरिक सामर्थ्य
- अर्जित एवं जन्मजात होती
- भिन्न व्यक्ति भिन्न अभिक्षमता
- प्रशिक्षण द्वारा निखार आता है
- विशेष क्षेत्र में सफल बनाती है

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है। 6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M - 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.8) Continued (जारी)

अभिक्षमता के लाभ

(i) अभिक्षमता व्यक्ति को किसी कार्य में सिद्ध हस्त बनाती है।

(ii) संसाधनों का अनुकूलतम दोहन करती है।
(iii) सीमित समय में कार्य सम्पन्न।

(iv) भाषायी अभिक्षमता लोगों से संवाद आसान बना देती है।

(v) नेतृत्व संबंधी अभिक्षमता, अधीनस्थों से बेहतर कार्य लेती है तथा उन्हें प्रेरित करती है।

(vi) सामाजिक अभिक्षमता समाज की संरचना को बेहतर तरीके से समझती है तथा उसकी समस्याओं का तीव्रता से निदान करती है।

(vii) तकनीकि अभिक्षमता वर्तमान में ई-गवर्नेंस हेतु उपयुक्त मानी जाती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.9) Define prejudice and discrimination and measures to reduce it?

पूर्वाग्रह व विभेद को परिभाषित करे तथा कम करने के उपाय बताएं?

उत्तर :

पूर्वाग्रह

किसी व्यक्ति वस्तु या स्थान के प्रति बिना किसी तर्क के धारणा का निर्माण कर लेना।

पूर्वाग्रह एक स्थायी नकारात्मक मानसिक दशा है जो जन्मजात नहीं होती बल्कि अर्जित होती है। इसकी कोई न कोई पृष्ठभूमि अवश्य होती है

उदाहरण के लिए यदि किसी का परिवार साम्प्रदायिक दंगों में मारा गया हो तो हो सकता है कि उस व्यक्ति का विशेष समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह निर्मित हो।

विभेद

पूर्वाग्रह का मूर्त रूप ही विभेद होता है। वह अपने पूर्वाग्रह के अनुसार विशिष्ट लोग, समुदाय, जाति, धर्म के आधार पर भेदभाव करता है

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.9) Continued (जारी) पू./M = 06 प्राप्तांक

इन्हें कम करने के उपाय

(i) प्रबोधन

पूर्वाग्रह से ग्रस्त व्यक्तियों का सफल प्रबोधन करके उनमें पूर्वाग्रह का समापन करना

(ii) अभ्यास

जिस विषय हेतु पूर्वाग्रह उसी कार्य को बार-बार करना।

(iii) बुनियादी एवं औपचारिक शिक्षा

ताकि सहिष्णुता एवं समभाव का विकास हो। संकीर्णता न पनपने पाए

(iv) एक साझा मंच

प्रत्येक जाति वर्ग धर्म के लोगो को पारस्परिक विचार आदान-प्रदान करने हेतु।

(v) सभ्य समाज

ऐसे समाज का निर्माण जो समानता को महत्व दे न कि भेदभाव को

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x15=90

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्र./M - 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.12) What is emotional intelligence? explain its importance.

सांवेगिक बुद्धि किसे कहते हैं? इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर :

सांवेगिक बुद्धि

स्वयं एवं दूसरों के संवेगों को समझना उन पर बुद्धि युक्त प्रतिबंध लगाना तथा अभिव्यक्त करना सांवेगिक बुद्धि के कहते है।

सांवेगिक बुद्धि के तत्व

~~संवेगात्मक~~

- आत्मजागरूकता — स्वयं के संवेगों की पहचान करना
- आत्मनियमन — अपने संवेगों पर नियंत्रण
- समानुभूति — समान रूप से पीड़ा महसूस करना
- आत्मप्रेरणा — विपरीत परिस्थिति में अभिप्रेरित रहना

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.12) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

संवेगिक बुद्धि का महत्व

(i) स्वयं के संवेगों को पहचानना जरूरी है क्योंकि संवेग पर नियंत्रण प्रशासकों हेतु अत्यन्त जरूरी है क्योंकि दैनिक द्वन्द, विवाद, तनाव की स्थिति को सहज निपटने में सक्षम बनाती है।

(ii) दूसरों के संवेगों की पहचान एवं सहानुभूति प्रशासन की संवेदनशीलता हेतु जरूरी है। यदि भीड़ उग्र है तो उनके संवेग पहचान और उनमें नियंत्रण पाने की कोशिश करने में सहायक।

(iii) दैनिक स्थिति जब थकाऊ और बोझिल हो साथ ही निरन्तर विपरीत परिस्थितियां बने तब आत्मप्रेरणा ही प्रशासकों को विचलित होने से रोकती है।

(iv) आत्मनियमन द्वारा ही हम निष्पक्ष, तटस्थ, ईमानदार, वस्तुनिष्ठ बने रहते है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.13) Manifesto against corruption by U.N.O.?

भ्रष्टाचार के विरूद्ध U.N.O. घोषणा पत्र ?

पू./M = 06

प्राप्तांक

उत्तर :

UNO का भ्रष्टाचार घोषणापत्र 2003

- 2003 में लाया गया
- अध्यक्ष — कोफी अन्नान
- सदस्य — 58
- वर्तमान — 176
- लागू → 2005

प्रावधान

इस घोषणा पत्र का उद्देश्य भ्रष्टाचार को वैश्विक मुद्दा बनाकर समाप्ति करने हेतु देशों के मध्य सहयोग एवं तकनीकि का आदान प्रदान करना था

इसके प्रावधान निम्न है–

धारा-6 भ्रष्टाचार निवारण हेतु सभी देश नियम कानूनों का निर्माण करे

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

पू./M - 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.13) Continued (जारी)

धारा-7 कर्मचारियों के वेतन भत्ते बढ़ाए ताकि उनकी जरूरतें पूर्ण हो और भ्रष्टाचार पर लगाम लगे।

धारा-63- → देश परस्पर सूचनाओं का आदान प्रदान करे।
→ तकनीकि सहयोग करे।
→ दोषियों के प्रत्यर्पण में सहायता करें

→ संस्थागत ढांचा निर्माण

भ्रष्टाचार रोधी संस्थाओं की स्थापना प्रत्येक देश करे।

→ चुनावी चन्दे

प्रत्येक देश चुनावी चंदों को पारदर्शी बनाए।

→ अंतराष्ट्रीय संधि समझौते पारदर्शी हो

→ सरकारी काम काज की सूचनाएं सार्वजनिक हो।

→ NGO एवं संस्थाओं के माध्यम से जागरूकता का प्रयास

→ समन्वित (बहुपक्षीय) प्रयास हो।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x15=90

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.14) Measures to develop moral values in public servants ?

लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों को विकसित करने के उपाय ?

उत्तर : लोक सेवा का उद्देश्य है जनता हेतु तत्पर निष्पक्ष पारदर्शी, आदर्श सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराना। इस हेतु लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों का विकास जरूरी है। अन्यथा शक्ति दुरुपयोग की प्रबल संभावना हो सकती है

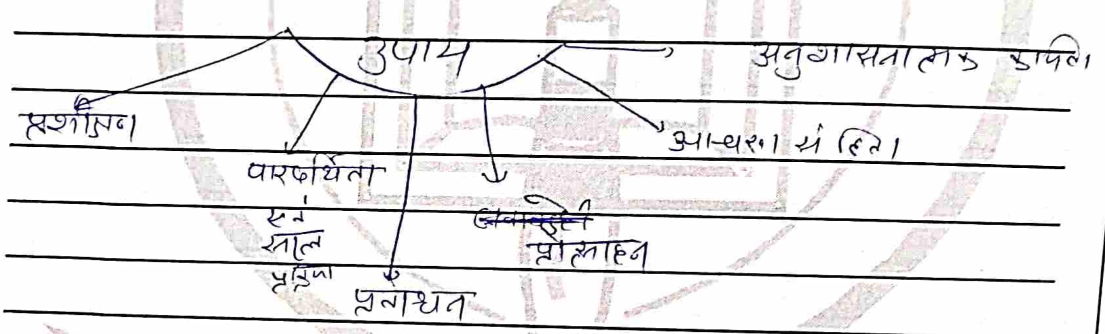

1. प्रशिक्षण

नव प्रशिक्षुओं को पूर्वकालिक प्रशिक्षण दौरान नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना। इसके प्रभाव एवं परिणामों के बारे में इन्हें जागरूक बनाना।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.14) Continued (जारी)

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रबोधन

यह हो सकता है नवागत लोकसेवक किसी न किसी प्रवृत्ति व और रूढ़ि को धारण किए हुए हो अतः उनको प्रबोधन कराना जरूरी होता है।

प्रक्रियाए सरल एवं पारदर्शी

ऐसे नियम व कानून हो जो सरल हो तथा पारदर्शी हो ताकि अनैतिक प्रथाओं का अनुसरण न कर पाए।

प्रोत्साहन - दंड

ऐसे लोकसेवकों को प्रोत्साहित करना जो उत्तम कार्य करें। साथ ही अनैतिक कार्य करने वालों को दण्ड देना, इससे नैतिक मूल्य स्वमेव विकसित

आचरण संहिता

लोकसेवको को बाध्यकारी रूप से इसका पालन करना चाहिए ऐसा न करने पर त्वरित कार्यवाही हो।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.15) 'Tagore was not only a poet but a humanist thinker' clarify the humanist ideology in this statement?
'टैगोरे एक कवि ही नहीं अपितु एक मानवतावादी चिन्तक थे' इस कथन में मानवतावादी विचारधारा को स्पष्ट करें ?

पू./M = 06 प्राप्तांक

उत्तर : रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्व के महान कवियो एवं साहित्यकारों में अग्रगण्य है। इनका परिचय इनके साहित्य को कभी भी पूर्ण नहीं कर सकता।

गुरुजी ने अपने चिंतन में हमेशा मानव एवं मानव केन्द्रित समस्याओं को ही महत्व दिया। इनके मानवतावादी विचारो का वर्णन संक्षेप में निम्नवत् है

(i) विश्व के सभी मानव समान है उनमे भेद नहीं है।

(ii) लोगो के मध्य अंहकार, जाति, धर्म प्रजाति (नस्ल) के आधार पर संघर्ष नहीं होना चाहिए।

(iii) मानवाधिकार व्यक्ति को जन्म से प्राप्त होते है। इस हेतु मान्यता करना उचित नहीं है।

निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंको का है।

प्रश्न 2. Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.15) Continued (जारी) पू./M - 06

प्राप्तांक

( ) बेहतर शिक्षा एवं जीवनस्तर द्वारा विश्व का विकास होना चाहिए।

( ) विश्व के सभी देशों को मिलाकर एक संघ निर्मित हो जो विवादों का समाधान कर सके। इसीलिए उन्होंने विश्वभारती की स्थापना की।

( ) वे मानवता के समक्ष अपने निजी उपलब्धियों को शून्य मानते थे यही कारण था कि जब जलियांवाला कांड हुआ उन्होंने अपनी समस्त उपाधि लौटा दी।

( ) उनके विचार में प्रत्येक व्यक्ति को अपने ज्ञान का उपयोग, योग्यता का उपयोग दूसरे व्यक्ति तथा ग्रामीण ग्रामों के उद्धार में करना चाहिए इसीलिए उन्होंने श्रीनिकेतन की स्थापना की।

( ) परतंत्रता मानव विकास का परम शत्रु है। मानव विकास हेतु स्वतंत्रता जरूरी है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.16) Analyze the main provisions of the code of conduct for civil servants.

लोक सेवकों की आचार संहिता के मुख्य प्रावधानों का उल्लेख करें?

उत्तर :

(लोकसेवक आचरण संहिता)

ऐसे लिखित दस्तावेज जो यह निर्देशित करते है कि प्रशासनिक अधिकारियो को नैतिक रूप से क्या करना है और क्या नहीं करना हो ये सहति में बाध्यकारी होते है

अखिल भारतीय सेवा हेतु - 1954 एवं मध्यप्रदेश मे 1965 मे इसे निर्मित किया।

इसके प्रमुख प्रावधान निम्न है।

(1) आर्थिक प्रबंध

(a) आय - व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करना।
(b) 1000 से ज्यादा महंगा उपहार की सूचना विभाग को दे।
(c) 20 हजार से महंगी खरीदी करने पर विभाग को सूचित करे।
(d) गैर सेवा संबंधी धनार्जन न करे।
(e) पारितोष न ले।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है। 6x10=60
Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

पू./M = 06 प्राप्तांक

प्रश्न (2.16) Continued (जारी)

प्रशासनिक

(i) राजनीति करने से तटस्थ रहे।
(ii) राजनीतिक प्रश्रय, प्रसाद, धन मांगना यह अनुचित होगा।
(iii) तटस्थ रहे निष्पक्ष रहे।
(iv) कर्तव्यों की उपेक्षा न करें।
(v) उत्तरदायित्व को स्वयं लगनपूर्वक रहे।
(vi) कार्य पूर्णतः पारदर्शी हो।
(vii) शासन के धन का दुरुपयोग न करें।
(viii) शासन के निर्देशों का पालन करें।

सामाजिक

(i) दहेज, बाल विवाह का समर्थन न करें।
(ii) अस्पृश्यता का समर्थन न करें।
(iii) जातिवाद से दूर रहें।

नैतिक दायित्व

(i) अपराध से दूर रहे।
(ii) अपराधी को संरक्षण न दें।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x15=90

प्रश्न (2.17) 'The field of Public Administration is a field of business.' comment.

'लोक प्रशासन का क्षेत्र व्यापार का क्षेत्र है' टिप्पणी करें?

T/M - 06

प्राप्तांक

उत्तर : लोक प्रशासन से तात्पर्य है ऐसा प्रशासन जो जनता से संपृक्त हो।

व्यापार शब्द का वाणिज्य के समान लाभ हेतु का इस संदर्भ में न जोड़ा जाए लोकप्रशासन अवश्य व्यवस्थित निर्देशकों का व्यावसायिक निकाय है। किन्तु वह लाभ के सिद्धान्त पर कार्य नहीं करता।

लोक प्रशासन
- समर्पणता
- गुणवत्ता
- शिकायत निवारण

यह वह माध्यम है जो शासन की सेवा एवं वस्तुओं को जनता तक एक उचित समय सीमा गुणवत्ता के साथ देने हेतु प्रतिबद्ध होता है। किन्तु यह निकाय निगम के लाभ हेतु कार्य नहीं करता।

लोक प्रशासन का सरोकार उद्देश्य जनता के हित में होता है।

निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।   6x10=60

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न (2.17) Continued (जारी)

यह व्यवसाय पूर्णतः निष्पक्ष, तटस्थ, पारदर्शी होता है और इसका एक मात्र उद्देश्य है शासन की सेवाओं का लाभ प्रत्येक जन उठा पाए।

हालांकि लोक हेतु भ्रष्टाचार, लालफीताशाही इसे व्यापारी संस्थाओं की तरह मोल-तोल करने वाली संस्था में बदलती है। परन्तु इनके निदान हेतु पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु ई-गवर्नेंस, RTI, लोकपाल का निर्माण किया जा चुका है।

निष्कर्षतः लोकप्रशासन का क्षेत्र व्यापार का क्षेत्र है यह सत्य है किन्तु यहाँ प्रशासन स्वयं के बजाय सार्वजनिक हित को ध्यान में रखकर व्यापार करती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.18) What is Pratityasamutpada in Buddhist thought?

बौद्ध चिंतन में प्रतीत्य-समुत्पाद क्या है?

उत्तर :

प्रतीत्य समुत्पाद

प्रतीत्य समुत्पाद बौद्ध धर्म का एक केन्द्रीय सिद्धान्त है। इसे कार्य कारण सिद्धान्त भी कहा जाता है। कुल-12 कार्य-कारणों की व्याख्या गौतम बुद्ध ने दुःखों की व्याख्या करते दौरान की।

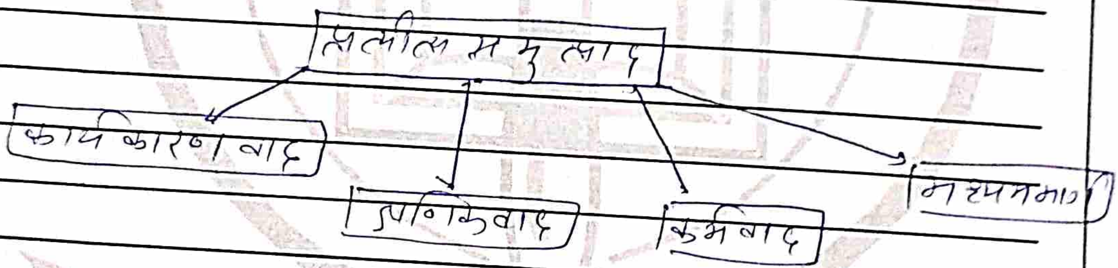

कार्य कारणवाद

प्रत्येक वस्तु किसी न किसी कारण से उत्पन्न हुई है। कारण से स्वतंत्र वस्तु का अस्तित्व नहीं है। वास्तव में कार्य अनेक कारणों का सहकारी परिणाम है।

उदाहरण- दीपक = दीया + बाती + ईंधन

कार्य / कारण

निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.18) Continued (जारी)

पू./M = 06 प्राप्तांक

(i) क्षणिकवाद

प्रत्येक वस्तु तभी तक विद्यमान है जबतक कि उसका कारण विद्यमान है। कारण समाप्त होने पर वस्तु स्वयमेव समाप्त हो जाती है।

कर्मवाद

भूतकाल के कार्यों का परिणाम वर्तमान जीवन है तथा वर्तमान के कार्यों का परिणाम भविष्य का जीवन है। कर्म ही निश्चित है।

मध्यम मार्ग

हमेशा मध्यम मार्ग का पालन करना चाहिए जो दो अतियों का मध्य रास्ता है।

जैसे आत्मवाद ~~[illegible]~~ शाश्वत और उच्छेदवाद (चार्वाक) के मध्य

स्वास्थ्य — अल्पभोजन — अतिभोजन के बीच

काम — वैराग्य व अनियंत्रित भोग के मध्य

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नो पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65 30+35=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.1) You are SDM, your childhood friend Ramesh's sister is going to get married, you have been invited to the wedding, when you reach there, you come to know that the girl is under 18 and you get to know this the day before the wedding and it is a recognized practice in that society. In that society, marriage is judged with respect, and your friend's financial situation is also not right. In this way you have-

आप एक एस.डी.एम. है, आपके बचपन के मित्र रमेश की बहन की शादी है, आपको शादी में बुलाया गया है, जब आप वहाँ पहुँचते हो, आपको पता चलता है, कि लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम और आपको यह पता शादी के एक दिन पहले ही पता चला, तथा उस समाज में यह मान्यता प्रथा है। उस समाज में शादी को मान–सम्मान से ऑका जाता है, साथ ही आपके मित्र की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। ऐसे आपके पास–

KAUTILYA ACADEMY INDORE

कौटिल्य एकेडमी

30+35=65

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.1) What values are struggling in the episode.
प्रकरण में कौन –कौन मूल्य संघर्षरत है।

उत्तर : प्रस्तुत प्रकरण मे मेरा परिचय एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप मे कराया जा रहा है।
दूसरी बात मामला बाल विवाह का है।
तीसरी बात लड़की मेरे मित्र की बहन है।
चौथी- यह प्रथा समाज का हिस्सा है।
पांचवी- मित्र की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

ऐसे मे मेरे समक्ष निम्न दुविधा होगी।

(1) प्रशासनिक एवं ~~नैतिक~~ सामाजिक मूल्यो में टकराव

क्यो कि पहली बात तो यह है कि मै प्रशासन का अंग हूँ, ऐसा प्रशासन जो संवेदी है एवं स्वस्थ समाज की स्थापना हेतु दृढ संकल्पि है। ऐसे मे बालविवाह को मान्यता देना प्रशासनिक मूल्यो को ताक मे रखना होगा। यदि मै ऐसा करता हूँ तो यह अनुचित होगा।

दूसरी बात यह है कि यदि मै विरोध करता हूँ तो यह संभावना है कि उस लड़की की शादी टूट जाए। किन्तु समस्या

नोट - प्रश्न कमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण कमश : प्रश्न कमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65 30+35=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.1) Continued (जारी)

प्राप्तांक

यह है कि जब मैं ऐसा करता हूँ तो पहली उलझन यह है कि मुझे उस समाज को चुनौती देनी होगी। क्योंकि यह प्रथा उनके समाज का अंग है।
दूसरी उलझन यह है कि मेरे मित्रवत संबंध खराब हो सकते हैं क्यों कि शादी टूटने की प्रबल संभावना है। र

एक बात यह भी है कि मित्र के पूर्व मे खर्च किए गए धन का भी नुकसान हो जाएगा।

अब मेरे समक्ष यही दुविधा है कि मुझे प्रशासनिक मूल्यों का चयन करना है या सामाजिक मूल्यों का

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

30+35=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.2) What would you do as an officer in such a situation?
ऐसी स्थिति मे अधिकारी होने के नाते आप क्या करेंगे ?

उत्तर : एक अधिकारी होने के नाते मुझे शासन से प्राप्त स्वविवेकी शक्तियों का निश्चित ही प्रयोग करना होगा।

नैतिक मूल्यो मे कितना ही टकराव क्यों न हो हमे उन विकल्प का चयन हमेशा करना चाहिए जो निजी की जगह सार्वजनिक हितों को साधे।

इसके अलावा पूर्व परिपाटी का पालन करते हुए मैं उस विवाह को स्थगित कर दूंगा साथ ही किसी अप्रिय घटना को भांपते हुए प्रशासनिक अमले को सतर्क कर पर्याप्त बल की व्यवस्था कराऊंगा।

क्यों कि यह मामला कोर्ट का है, तो मेरा यह दायित्व है कि मैं वहाँ उपस्थित लोगों से, लड़का एवं लड़की (वर-वधू) पक्ष से संवाद करूँ और उन्हें समझा सकूँ कि यह प्रथा अनैतिक है। ~~अतः~~

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश: प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65 30+35=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.2) Continued (जारी)

प्राप्तांक

हो सकता है कि व्यक्ति विशेष पर
ऐसी प्रयास असर न डाले किन्तु
चूंकि यह रूढ़ि है तो समाज (सम्पूर्ण)
द्वारा इसका बाध्यकारी रूप में पालन होगा।
इसका परिणाम यह होगा कि बालिकाओ
को शिक्षा के अवसर, विकास के अवसर
से वंचित कर दिया जाएगा। अल्पायु मे
गर्भावस्था धारण करने से उनके स्वास्थ्य
मे नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इन सभी कारणों पर चर्चा करते हुए
उन्हे समझाना मेरा दायित्व होगा।

साथ ही एक चेतावनी भी देना आवश्यक
है ताकि आगे उस तरह विरोध मे
ऐसी घटना न हो सके।

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

30+35=65

प्राप्तांक

प्रश्न (3.3) What is your duty as a friend?
एक मित्र होने के नाते आपका क्या कर्त्तव्य है ?

उत्तर : मित्र होने के नाते कर्तव्य :-)

संव्यवगत मूल्यो की प्राथमिकता देना मेरा परम कर्तव्य अवश्य होगा किन्तु इससे मुझे नैतिक उत्तरदायित्व, सामाजिक उत्तरदायित्व से मुक्ति प्राप्त नहीं होगी।

मेरा मित्रता के प्रति कर्तव्य निम्न बिंदुओ मे प्रस्तुत है–

(i) मित्र को रूढ़ि का साथ न देने का आग्रह।

(ii) संबंधित प्रकरण के दुष्परिणामो से उसको अवगत कराना।

(iii) भले ही बालिका को इससे आपत्ति न हो फिर भी रोके लगाने का कारण बताना।

(iv) दोनो परिवारो को बैठा कर यह समझौता कराना कि जैसे ही दोनो बालक ही बिना रोक-टोक के आप विवाह करे

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65 30+35=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.3) Continued (जारी)

प्राप्तांक

(i) विवाह में जो व्यय हुआ उसकी प्रतिपूर्ति तो नहीं की जा सकती है किन्तु प्रयास यह करना कि अगली बार विवाह न्यूनतम व्यय में हो सके।

(ii) मित्र को दहेज के कानूनों के प्रति सुलावात बनाने को भी शामिल करना है।

(iii) अगर वर पक्ष से कोई धन का लेन देन किया गया है तो उसके आदेश जारी करके संपत्ति लौटाने की व्यवस्था कराना। ताकि क्षतिपूर्ति कम की जा सके।

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65 30+35=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4) In the present scenario, if government schools are left out, almost education has been commercialized. Today education is only a means of getting employment. The basic value of education is the development of personality, but the sad aspect is that the development of personality itself has been commercialized. Social and national values are not included in the personality development of the child.

वर्तमान परिपेक्ष्य में यदि सरकारी विद्यालयों की छोड़ दिया जाये जहाँ लगभग शिक्षा का व्यावसायीकरण हो चुका है। जो शिक्षा का रोजगार पाने का एक साधन मात्र है। शिक्षा का बुनियादी मूल्य व्यक्तित्व का विकास है लेकिन दुःखद पहलू यह है कि व्यक्तित्व के विकास का ही व्यवसायीकरण हो गया है। बच्चे के व्यक्तित्व विकास में सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का समावेश नहीं किया जाता है।

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65 30+35=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (4.1) What is the reason for commercialization of education ?
शिक्षा के व्यवसायीकरण के क्या कारण है ?

प्रामांक

उत्तर : शिक्षा के व्यवसायीकरण से तात्पर्य है शिक्षा संस्थानों का लाभ के सिद्धान्त पर कार्य करना। शिक्षा को धनार्जन का माध्यम बनाना। इसके कारण निम्नवत् है-

(i) वैश्वीकरण :-> वैश्वीकरण के परिणाम स्वरूप हमने यूरोपियन तर्ज पर शिक्षा व्यवस्था निर्मित की जिसमे मौलिकता की जगह व्यवसाय पर बल दिया गया।

(ii) पुरातन शिक्षा की उपेक्षा

गुरुकुल जैसी व्यवस्था की उपेक्षा करना, पाश्चात्य अंधानुकरण भी एक कारण है। रविन्द्रनाथ टैगोर गुरुकुल प्रणाली को ही सर्वोत्तम मानते थे।

(iii) नैतिक मूल्यो का पतन

शिक्षको मे सत्यनिष्ठा, ईमानदारी की कमी भी इसका कारण है

(iv) सरकार का प्रतिबंध न होना, शिक्षण संस्थाओं को अंधी प्रतिस्पर्धा का मौका देता है

30+35=65

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंकों का वितरण क्रमशः : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.2) What are the benefits of value added education ?

मूल्य परक शिक्षा के क्या–क्या लाभ है ?

उत्तर :

मूल्य परक शिक्षा

(i) व्यक्तित्व का विकास करती है उसे समाज एवं राष्ट्र हेतु उपयोगी बना देती है।

(ii) इस शिक्षा मे असहिष्णुता नही होती, इस कारण परस्पर द्वन्द्व की संभावना भविष्य मे कम होती है।

(iii) मूल्य आधारित शिक्षा लोगों को नैतिक एवं ईमानदार बनाती है। भ्रष्टाचार को रोकने मे उपयोगी।

(iv) यह शिक्षा विभेदों को नकारती है, जाति लिंग, धर्म, भाषा के अंतरो को पाट कर सक्षम समाज एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है।

(v) इस शिक्षा मे महिला, बुजुर्ग, दिव्यांगों के प्रति समानुभूति एवं आदर के सद्भाव की क्षमता होती है।

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

30+35=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.3) Education should not be a medium of employment, in this context, submit your views.

शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम ना बनकर रह जाये, इस सन्दर्भ में आपना विचार प्रस्तुत करें।

उत्तर : शिक्षा का मूल है व्यक्ति का चहुमुखी विकास जो नैतिक, आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक विकास को प्रेरित करे।

रोजगार परक शिक्षा उचित है किन्तु रोजगार ही अंतिम लक्ष्य हो यह उचित नहीं है। क्योंकि रोजगार का होना हमें सिर्फ आर्थिक रूप से सम्पन्न बना सकता है किन्तु हमें यश की भी प्राप्ति हो ऐसा जरूरी नहीं है।

गांधी जी के सात पापों में एक पाप में यह भी वर्णित है कि चरित्र बिना शिक्षा उचित नहीं है।

यह सत्य है यदि शिक्षा में नैतिकता, भावना, सदाचारों का अभाव है तो संभव है कि रोजगार प्राप्त हो जाए किन्तु उस राष्ट्र का जो सामाजिक एवं सांस्कृतिक पतन होगा उसे टाला नहीं जा सकेगा। इसीलिए गांधीजी ने क्रांतिकारी शिक्षा की अवधारणा में शिक्षा में नैतिकता के समावेश पर बल दिया

30+35=65

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमश : प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.4) Mention the major components related to personality development.

व्यक्तित्व विकास से संबंधी प्रमुख अवयवों को उल्लेखित करें।

उत्तर :

व्यक्तित्व विकास के अवयव

नैतिकता, अभिव्यक्ति, संज्ञान, विचार, आचरण

(i) नैतिकता कार्यों एवं आचरणों का नियमन

(ii) अभिव्यक्ति – स्वयं को अभिव्यक्त कर पाना।

(iii) संज्ञान – स्वयं एवं दूसरों को समझना

(iv) विचार / मनोवृत्ति – व्यक्ति / वस्तु / समाज के प्रति उसका दृष्टिकोण क्या है।

(v) आचरण – जो वह बोलता है वही करे।

- कथनी करनी मे अंतर न हो
- आदर्श आचरण

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंको का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65 30+35=65

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्राप्तांक

प्रश्न (4.5) What measures can be taken for the personal development of children ?

बच्चों के व्यक्तिगत विकास के लिये क्या किया जा सकता है ?

उत्तर :

बच्चों के व्यक्तिगत विकास के चरण

नैतिक शिक्षा

अभिरुचियों की पहचान

नवाचार वैज्ञानिकता से युक्त शिक्षा

लीडरशिप हेतु दायित्व सौंपें

प्रोत्साहन

(i) नैतिकता की शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करना।

(ii) उनमें निहित अभिरुचियों की पहचान करना तथा उन्हें आकार देने हेतु प्रशिक्षित करना।

(iii) नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त शिक्षा प्रदान करना।

(iv) उनमें सकारात्मक मनोवृत्ति का निर्माण करना।

(v) लीडरशिप का विकास हेतु उन्हें दायित्व सौंपें।

(vi) अच्छे कार्यों हेतु पारिवारिक स्तर पर पुरस्कृत करें।